

चैत माझे चुनडी वंगबे छौ रामा, पिया घर आइए

# साहित्य विदुषी गिरिजा देवी

8 मई 2016, सायं 6.30 बजे,  
कमानी सभागार, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली 110001



# गिरिजा देवी

## अकादेमी रत्नसदस्य

गिरिजा देवी का जन्म 8 मई, 1929 को कला और संस्कृति की प्राचीन नगरी वाराणसी (तत्कालीन बनारस) में हुआ था। उनके पिता रामदास राय जमींदार थे, जो संगीत प्रेमी व्यक्ति थे। गिरिजा देवी के प्रारम्भिक संगीत गुरु सरयू प्रसाद मिश्र थे। तत्पश्चात्, श्री चंद्र मिश्रा जी के मार्गदर्शन में आपने अपनी कला को और निखारा। नौ वर्ष की आयु से पण्डित श्रीचंद्र मिश्र से उन्होंने संगीत की विभिन्न शैलियों की शिक्षा प्राप्त की।

गिरिजा जी की खनकती हुई आवाज ख्याल के साथ-साथ तुमरी, टप्पा, होरी, चैती, कजरी, तराना, दादरा में बनारस का खास लहजा और विशुद्धता का पुट लिये विशेष आकर्षण पैदा करती है। बनारस और सेनिया घराने में प्रतिष्ठित होने के कारण इनके पास परम्परागत और दुर्लभ बंदिशों का खज़ाना है।

गिरिजा जी ने स्वयं को केवल मंच-प्रदर्शन तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि संगीत के शैक्षणिक और शोध कार्यों में भी अपना योगदान किया। 80 के दशक में उन्हें कोलकाता स्थित 'आई. टी.सी. संगीत रिसर्च एकेडमी' ने आमंत्रित किया। यहाँ रह कर उन्होंने न केवल कई योग्य शिष्य तैयार किये, बल्कि शोध कार्य भी कराए। 90 के दशक में गिरिजा देवी 'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' से भी जुड़ीं। यहाँ अनेक छात्र-छात्राओं को प्राचीन संगीत परम्परा की दीक्षा दी।

आप शांतिनिकेतन में भी अतिथि प्राध्यापक रही हैं। स्पिक मैके के लिए इन्होंने बहुत से व्याख्यान-प्रदर्शन किए हैं तथा देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है।

संगीत के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीमती गिरिजा देवी को विविध पुरस्कारों एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है। इन अलंकरणों में मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से दिया गया तानसेन पुरस्कार, 1972 में पद्मश्री, 1977 में संगीत नाटक अकादेमी अवॉर्ड तथा 1989 में दिया गया पद्म भूषण शामिल हैं। इतना ही नहीं, श्रीमती गिरिजा देवी को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, रवीन्द्र भारती, कोलकाता तथा डॉ. पुरुषोत्तम दास टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद ने डॉक्टर ऑफ लेटर्स की उपाधि से भी विभूषित किया है। इन्हें वर्ष 2010 में संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्य चुना गया। इसी वर्ष (2016) में इन्हें केंद्र सरकार द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है।

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम

## सान्निध्य विदुषी गिरिजा देवी

8 मई 2016, सायं 6.30 बजे, कमानी सभागार, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली 110001  
में आप सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम

### विदुषी गिरिजा देवी व उनके शिष्यों द्वारा गायन

संगत कलाकार : तबला – श्री शुभ महाराज, हारमोनियम – श्री धर्मनाथ मिश्र

संगीत नाटक अकादेमी के मोबाइल ऐप का शुभारंभ

‘टुमरी रंग’ – ऑडियो सीडी का विमोचन

(संगीत नाटक अकादेमी के अभिलेखागार के सौजन्य से)

गिरिजा देवी, मुराद बानो, अजय चक्रवर्ती, शांति हीरानंद, पूर्णिमा चौधरी, रीता गांगुली, मशकूर अली खान,  
जगदीश प्रसाद, सुचरिता गुप्ता, शुभा गुहा, सविता देवी एवं छन्नूलाल मिश्र



## Sangeet Natak Akademi

NATIONAL ACADEMY OF MUSIC, DANCE AND DRAMA, NEW DELHI

Sangeet Natak Akademi, India's national academy for music, dance and drama, is the first national academy of the arts set up by the Republic of India in 1952. The first President of India, Dr Rajendra Prasad, inaugurated it on 28 January 1953 in a special function held in the Parliament House.

Since its inception, the Akademi has been functioning as the apex body in the field of the performing arts in the country, preserving and promoting the vast intangible heritage of India's diverse culture expressed in forms of music, dance and drama. In furtherance of its objectives, the Akademi collaborates with government and art academies of different States and Union Territories of the Union of India, as also with major cultural institutions in the country. The Akademi establishes and looks after institutions and projects of national importance in the field of the performing arts. It organizes performances of music, dance and theatre; gives awards in recognition of individual artistic or scholarly achievement; subsidizes the work of institutions engaged in teaching, performing or promoting music, dance or theatre; gives grant-in-aid for research, documentation and publishing in the performing arts; organizes and subsidizes seminars and conferences of subject specialists; documents and records the performing arts for its audio-visual archive; maintains a reference library and a gallery of musical instruments; and publishes literature on relevant subjects on a small scale.

Sangeet Natak Akademi also renders advice and assistance to the Government of India in the task of formulating and implementing policies and programmes in the field of the performing arts. Additionally, the Akademi carries a part of the responsibilities of the state for fostering cultural contacts between various regions in India, and between India and the world.

The Akademi manages two national institutes of dance, the Jawaharlal Nehru Manipur Dance Academy in Imphal and the Kathak Kendra in New Delhi, as its constituent units. The Akademi has also set up Kutiyattam Kendra at Thiruvananthapuram, Satriya Kendra at Guwahati, and a Regional Centre for the North-east in Guwahati. The National School of Drama in Delhi was originally a part of Sangeet Natak Akademi. The school became an independent entity in 1975.

Sangeet Natak Akademi is an autonomous body of the Ministry of Culture, Government of India and is fully funded by the government for implementation of its schemes and programmes.

**Akademi Officials** – SHEKHAR SEN, Chairman; ARUNA SAIRAM, Vice Chairman; HELEN ACHARYA, Secretary

**Live webcast: <http://sangeetnatak.gov.in/sna/webcast.htm>**

Invitees should take their seats 15 minutes before the commencement of the programme. In view of security reasons, briefcase, handbag, umbrella, i-pad, mobile phone, tape recorder, camera, or any other objectionable articles may not be allowed in the auditorium. Audio/video recording is prohibited. Programme subject to change. Enq: 23387246 / 47 /48